p>**<u>13.01 hrs.</u>**

<u>MATTERS UNDER RULE 377</u>

MR. SPEAKER: Before I adjourn the House for lunch, the 'Matters under Rule 377' will be treated as laid on the Table of the House.

Title: Need to provide air services connecting Ajmer in Rajasthan.- Laid.

प्रो0 रासासिंह रावत (अजमेर): अध्यक्ष महोदय, एक ओर जहां देश के विभिन्न राज्यों में अनेक छोटे-बड़े शहर वायुमार्ग से हवाई यातायात द्वारा जुड़े हुए हैं, वहीं पर 21वीं शताब्दी में प्रवेश करने पर भी ऐतिहासिक एवं पर्यटन की दृटि से सम्पूर्ण देश में विख्यात तथा धर्म एवं संस्कृति की दृटि से विश्व में ख्याति प्राप्त, करोड़ों व्यक्तियों की आस्था का केन्द्र अजमेर नगर अभी तक भी देश के हवाई यातायात से नहीं जुड़ा है। तत्कालीन राजपूताने में जो नगर स्वाधीनता सेनानियों की कर्मस्थली रहा, जो नगर सन 1956 ई तक केन्द्रशासित प्रदेश था, जो नगर मध्यकाल, मुगलकाल तथा ब्रिटिश काल में महत्वपूर्ण राजनैतिक गतिविधियों का केन्द्र रहा, वही नगर आज स्वाधीनता के 56 वा पश्चात भी हवाई यातायात से वंचित है। भारत सरकार अजमेर नगर में अंतर्राट्रीय स्तर का हवाई अड्डा बनाने की घोाणा भी कर चुकी है। कभी 30, कभी 50 कभी 100 से अधिक सांसदों के हस्ताक्षरयुक्त अभ्यावेदन भी अजमेर में हवाई अड्डे की स्थापना हेतु प्रस्तुत किए जा चुके हैं।

मेरी भारत सरकार से प्रबल शब्दों में गुजारिश है कि अतिशीघ्र स्वयं आगे बढ़कर अजमेर शहर को हवाई यातायात से जोड़ने हेतु भूमि आबंटित कर हवाई अड्डे का निर्माण करावें।